

NEP-2020

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

ललित कला संकाय



पाठ्यक्रम

स्नातक कला सेमेस्टर प्रथम एवं द्वितीय

चित्रकला

सत्र—2025—26



राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

चित्रकला विभाग

पाठ्यक्रम

स्नातक कला सेमेस्टर प्रथम एवं द्वितीय

पाठ्यक्रम के परिणाम

ड्राइंग और पेंटिंग में बीए के पाठ्यक्रम के परिणामों में आमतौर पर कौशल और ज्ञान की एक श्रृंखला शामिल होती है, जिसे छात्रों से कार्यक्रम पूरा होने पर हासिल करने की उम्मीद की जाती है। यहाँ कुछ सामान्य पाठ्यक्रम परिणाम दिए गए हैं:

तकनीकी कौशल: छात्र विभिन्न ड्राइंग और पेंटिंग माध्यमों में तकनीकी कौशल विकसित करेंगे, जिसमें तेल, ऐक्रेलिक, पानी के रंग, चारकोल और मिश्रित मीडिया शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

ऐतिहासिक और सैद्धांतिक ज्ञान: छात्रों को कला के इतिहास, सिद्धांत और आलोचना की व्यापक समझ प्राप्त होगी, जिससे वे अपने काम को व्यापक कलात्मक आंदोलनों और परंपराओं के भीतर प्रासंगिक बना सकेंगे।

ये परिणाम स्नातकों को कला में विभिन्न प्रकार के कैरियर के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिनमें पेशेवर कलाकार, कला शिक्षक, गैलरी क्यूरेटर और बहुत कुछ शामिल हैं। विशिष्ट परिणाम संस्थान और कार्यक्रम के फोकस के आधार पर भिन्न हो सकते हैं।

कार्यक्रम परिणाम

ड्राइंग और पेंटिंग में बीए के कार्यक्रम परिणाम कार्यक्रम के व्यापक लक्ष्यों और उद्देश्यों को दर्शाते हैं। ये परिणाम छात्रों को सफल कैरियर और दृश्य कला के क्षेत्र में सार्थक योगदान के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यहाँ कुछ सामान्य कार्यक्रम परिणाम दिए गए हैं:

रचनात्मक और वैचारिक विकास: छात्र अपनी कलाकृति के माध्यम से मूल विचारों और अवधारणाओं को विकसित और व्यक्त करने में सक्षम होंगे, रचनात्मकता और नवाचार का प्रदर्शन करेंगे।

प्रदर्शनी और प्रस्तुति कौशल: छात्र कला प्रदर्शनियों की योजना बनाने, आयोजन करने और प्रस्तुत करने में कुशल होंगे, अपनी कलात्मक दृष्टि को विविध दर्शकों तक प्रभावी ढंग से संप्रेषित करेंगे।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

ड्राइंग और पेंटिंग में बीए के पाठ्यक्रम के उद्देश्य उन विशिष्ट लक्ष्यों और उद्देश्यों को रेखांकित करते हैं जिन्हें कार्यक्रम प्राप्त करना चाहता है। ये उद्देश्य पाठ्यक्रम और सीखने की गतिविधियों का मार्गदर्शन करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्र दृश्य कला के क्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और अनुभव प्राप्त करें। यहाँ कुछ सामान्य पाठ्यक्रम उद्देश्य दिए गए हैं:

पेशेवर अभ्यासों को प्रोत्साहित करें: पोर्टफोलियो विकास, प्रदर्शनी योजना और विपणन रणनीतियों जैसे आवश्यक कौशल सिखाकर छात्रों को कला की दुनिया में पेशेवर करियर के लिए तैयार करना।

संचार कौशल को मजबूत करना: छात्रों की क्षमताओं को विकसित करना ताकि वे अपने विचारों और कलात्मक अवधारणाओं को मौखिक और लिखित रूप से, विविध दर्शकों तक प्रभावी ढंग से संप्रेषित कर सकें।

सीखने के परिणाम

ड्राइंग और पेंटिंग में बीए के सीखने के परिणाम उन विशिष्ट योग्यताओं, ज्ञान और कौशल को परिभाषित करते हैं जिन्हें छात्रों से कार्यक्रम के अंत तक प्राप्त करने की अपेक्षा की जाती है। सीखने के परिणाम इस प्रकार हैं:

कलात्मक कौशल: मीडिया और उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए विभिन्न ड्राइंग और पेंटिंग तकनीकों में दक्षता प्रदर्शित करें।

रचनात्मक और वैचारिक सोच: मूल विचारों और अवधारणाओं को उत्पन्न करने की क्षमता प्रदर्शित करें, और उन्हें अपनी कलाकृति के माध्यम से रचनात्मक और सुसंगत रूप से व्यक्त करें।

सैद्धांतिक समझ: अपने कलात्मक अभ्यास में सैद्धांतिक रूपरेखा और महत्वपूर्ण दृष्टिकोण लागू करें, अपने काम की वैचारिक गहराई को बढ़ाएँ।

संचार कौशल: मजबूत मौखिक और लिखित संचार कौशल प्रदर्शित करें, अपने काम और विचारों को विभिन्न दर्शकों के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करें और चर्चा करें।

ये सीखने के परिणाम सुनिश्चित करते हैं कि ड्राइंग और पेंटिंग कार्यक्रम में बीए के छात्र पेशेवर कलाकार, शिक्षक, क्यूरेटर और कला की दुनिया में अन्य भूमिकाओं के रूप में कैरियर बनाने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, जो क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए कौशल और ज्ञानवान हैं।

Details of AECC/SEC/ Generic Elective Courses

सत्र 2025-26 में प्रवेश लेने वाले फ्रेशर्स के लिए

विश्वविद्यालय का नाम: राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

संकाय का नाम: ललित कला

विषय का नाम: चित्रकला

					Credits			
#	Level	Sem.	Sub. Code	Title	L	T	P	Total
1	5	I	DRP-51T-101	ललित कला के मूलाधार (सैद्धान्तिक)	2	-	-	2
2	5	I	DRP-51P-102	वस्तु अध्ययन (स्थिर वस्तु चित्रण एवं अनुर्कन (प्रायोगिक))	-	-	4	4
								2+4=6
3	5	II	DRP-52T-103	ललित कला के मूलाधार (सैद्धान्तिक)	2	-	-	2
4	5	II	DRP-52P-104	सृजनात्मक आलेखन (प्रायोगिक)	-	-	4	4
								2+4=6

1 क्रेडिट = 1 घण्टा सैद्धान्तिक (L) प्रति सप्ताह

1 क्रेडिट = 2 घण्टा प्रायोगिक (P) प्रति सप्ताह

पाठ्यक्रम

स्नातक कला सेमेस्टर प्रथम एवं द्वितीय

परीक्षा योजना: सेमेस्टर प्रथम

प्रश्न पत्र का नाम	परीक्षा अवधि	EoSE अधिकतम अंक	EoSE न्यूनतम अंक	आंतरिक (CA) अधिकतम अंक	आंतरिक (CA) न्यूनतम अंक	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
ललित कला के मूलाधार (सैद्धान्तिक)	3 घण्टे	40	16	10	04	50	20
स्थिर वस्तु चित्रण (प्रायोगिक)	3 घण्टे	80	32	20	08	100	40

नोट:- EoSE (सेमेस्टर के अंत में होने वाली परीक्षा) में शामिल होने के लिए CA/आंतरिक परीक्षा में न्यूनतम 40% अंक आवश्यक हैं।

सेमेस्टर द्वितीय

प्रश्न पत्र का नाम	परीक्षा अवधि	EoSE अधिकतम अंक	EoSE न्यूनतम अंक	आंतरिक (CA) अधिकतम अंक	आंतरिक (CA) न्यूनतम अंक	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
ललित कला के मूलाधार (सैद्धान्तिक)	3 घण्टे	40	16	10	04	50	20
सृजनात्मक आलेखन(प्रायोगिक)	3 घण्टे	80	32	20	08	100	40

नोट:- EoSE (सेमेस्टर के अंत में होने वाली परीक्षा) में शामिल होने के लिए CA/आंतरिक परीक्षा में न्यूनतम 40% अंक आवश्यक हैं।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र की परीक्षा योजना:

नोट-सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र में तीन भाग होते हैं।

भाग-प्रथम: 10 अंकों का है जिसमें 1 अंक के 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे।

भाग-द्वितीय: 10 अंकों के किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें, जिनमें से प्रत्येक प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ 2.5 अंक का होगा।

अभ्यर्थियों को प्रत्येक उत्तर 50-60 शब्दों की सीमा के साथ लिखना होगा।

भाग-तृतीय: आंतरिक विकल्प के साथ 30 अंकों (प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक) के किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें।

अभ्यर्थियों को प्रत्येक उत्तर 500-600 शब्दों की सीमा के साथ लिखना होगा।

स्नातक कला सेमेस्टर प्रथम

प्रश्न पत्र प्रथम: ललित कला के मूलाधार
(सैद्धान्तिक)

इकाई -I	कला का अर्थ और परिभाषा, कला का वर्गीकरण (पेंटिंग, मूर्तिकला, वास्तुकला, संगीत, नृत्य और नाटक)
इकाई -II	भारतीय कला के छह अंग
इकाई -III	पेंटिंग के तत्व - रेखा, रूप, रंग, तान, पोत, अन्तराल
इकाई -IV	सृजनात्मक प्रक्रिया - अवलोकन, प्रतक्षिकरण, कल्पना और सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अनुशंसित पुस्तकें:

1. Studies in Indian Art - V.S. Agarwal.
2. रूपप्रद कला के मूलाधार – श्री कुमार शर्मा एवं आर. ए. अग्रवाल, International publishing house, Meerut, 2004.
3. Fundamentals of Design - Donald M. Enderson.
4. Principle of Art – R.G. Kalingwood
5. The Meaning of Art – Herbert Read
6. Anatomy and Drawing – Victor Perard
7. चित्रकला के मूलाधार – शुकदेव श्रोत्रिय, चित्रायन प्रकाशन,, मुजफरनगर
8. लोक –चित्रकला (परम्परा और रचना दृष्टि) डा. श्याम सुन्दर दूबे
9. लयात्मक रेखांकन – डा. एन.एल. वर्मा, राज पब्लिशर्स, जयपुर
10. रूपांकन (Fundamentals of Plastic Art) – डा. गिराज किशोर अग्रवाल

प्रश्न पत्र द्वितीय: स्थिर वस्तु चित्रण (प्रायोगिक)

माध्यम: पेंसिल एवं रंग

माप: अर्द्ध इम्पीरियल

अवधि: 3 घण्टे

वस्तुओं का एक समूह (चार से अधिक नहीं) को एक सपाट अग्रभूमि के साथ पर्दे की पृष्ठभूमि पर व्यवस्थित किया जाना चाहिए। वस्तुओं में फल और सब्जी आदि के साथ दैनिक उपयोग की सामान्य वस्तुएं शामिल होनी चाहिए।

प्राैक्टिकल पेपर में तीन घंटे का एक सत्र होगा।

(ए) पेंसिल शेडिंग की 3 प्लेटें और पानी के रंग वाली वस्तुओं से अध्ययन की 5 प्लेटें।

(बी) कम से कम 25 रेखाचित्रों की एक रेखाचित्र पुस्तक।

नोट: प्राैक्टिकल परीक्षा का ईओएसई आयोजित किया जाएगा और अंकन विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाहरी परीक्षक द्वारा किया जाएगा। आंतरिक परीक्षा/सीए की मार्किंग आंतरिक परीक्षक द्वारा सबमिशन के आधार पर की जाएगी

सबमिशन का काम परिणाम घोषित होने तक रखा जाएगा और उसके बाद विभाग द्वारा उम्मीदवार को वापस कर दिया जाएगा। यदि परिणाम घोषित होने के दो महीने के भीतर कोई दावा नहीं किया जाता है, तो सबमिशन नष्ट कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:

(ए) उम्मीदवार को थ्योरी के साथ-साथ प्राैक्टिकल पेपर में भी अलग-अलग उत्तीर्ण होना चाहिए।

(बी) स्केचिंग के लिए दो घंटे सहित नियमित अध्ययन के लिए न्यूनतम 08 घंटे होने चाहिए।

(सी) प्रत्येक व्यावहारिक पेपर के लिए सत्र के दौरान विषय विशेषज्ञ द्वारा न्यूनतम तीन प्रदर्शनों की व्यवस्था की जानी चाहिए।

(डी) विभाग को वर्ष में एक बार अजंता, एलोरा, एलीफंटा, खजुराहो, महाबलीपुरम आदि जैसे प्राचीन कला केंद्रों के शैक्षिक दौरे की भी व्यवस्था करनी चाहिए।

(ई) प्रायोगिक परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी और प्रायोगिक कार्य की जांच बाहरी परीक्षक द्वारा की जाएगी। परीक्षक आंतरिक परीक्षक, जो ड्राइंग एवं पेंटिंग विभाग का विषय शिक्षक है, के परामर्श से उत्तर पुस्तिकाओं की जांच करेगा। विश्वविद्यालय आर्थिक रूप से परीक्षा आयोजित करने के लिए कुछ अच्छी तरह से सुसज्जित विभागों में व्यावहारिक परीक्षाओं को केंद्रीकृत कर सकता है।

स्नातक कला सेमेस्टर द्वितीय

प्रश्न पत्र प्रथम: ललित कला के मूलाधार (सैद्धान्तिक)

इकाई -I	रचना के सिद्धांत - एकता, सद्भाव, संतुलन, लय, प्रभुत्व, अनुपात
इकाई -II	परिप्रेक्ष्य, ड्राइंग और प्रतिपादन, रंग माध्यम - चारकोल, पेस्टल, पानी, ऐक्रेलिक, तेल
इकाई -III	कला तकनीक- फ्रेस्को-बुनो और सेको, वॉश पेंटिंग, टेम्पेरा, ग्राफिक आर्ट - रिलीफ (लिनो और वुड कट), एचिंग, कोलाग्राफ, सेरिग्राफ, लिथोग्राफ
इकाई -IV	विभिन्न कला शैलियों का परिचय - शास्त्रीय, आधुनिक, समकालीन, जनजातीय, लोक कला और बाल कला

अनुशंसित पुस्तकें:

1. Studies in Indian Art - V.S. Agarwal.
2. रूपप्रद कला के मूलाधार – श्री कुमार शर्मा एवं आर. ए. अग्रवाल, International publishing house, Meerut, 2004.
3. Fundamentals of Design - Donald M. Enderson.
4. Principle of Art – R.G. Kalingwood
5. The Meaning of Art – Herbert Read
6. Anatomy and Drawing – Victor Perard
7. चित्रकला के मूलाधार – शुकदेव श्रोत्रिय, चित्रायन प्रकाशन,, मुजफरनगर
8. लोक –चित्रकला (परम्परा और रचना दृष्टि) डा. श्याम सुन्दर दूबे
9. लयात्मक रेखांकन – डा. एन.एल. वर्मा, राज पब्लिशर्स, जयपुर
10. रूपांकन (Fundamentals of Plastic Art) – डा. गिराज किशोर अग्रवाल

प्रश्न पत्र प्रथम: सृजनात्मक आलेखन (प्रायोगिक)

माध्यम: पेंसिल एवं रंग

माप: अर्द्ध इम्पीरियल

अवधि: 3 घण्टे

शैलीकरण, रंग-योजना और बनावट आदि पर जोर देते हुए द्वि-आयामी डिजाइन बनाया जाना चाहिए।

प्राैक्टिकल पेपर में एक घंटे के ब्रेक को छोड़कर प्रत्येक तीन घंटे का एक सत्र होगा।

(ए) रचनात्मक डिजाइन की 8 प्लेटें।

(बी) कम से कम 25 रेखाचित्रों की एक रेखाचित्र पुस्तक।

नोट: प्रैक्टिकल परीक्षा का ईओएसई आयोजित किया जाएगा और अंकन विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाहरी परीक्षक द्वारा किया जाएगा। आंतरिक परीक्षा/सीए की मार्किंग आंतरिक परीक्षक द्वारा सबमिशन के आधार पर की जाएगी।

सबमिशन का काम परिणाम घोषित होने तक रखा जाएगा और उसके बाद विभाग द्वारा उम्मीदवार को वापस कर दिया जाएगा। यदि परिणाम घोषित होने के दो महीने के भीतर कोई दावा नहीं किया जाता है, तो सबमिशन नष्ट कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:

(ए) उम्मीदवार को थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल पेपर में भी अलग-अलग उत्तीर्ण होना चाहिए।

(बी) स्केचिंग के लिए दो घंटे सहित नियमित अध्ययन के लिए न्यूनतम 08 घंटे होने चाहिए।

(सी) प्रत्येक व्यावहारिक पेपर के लिए सत्र के दौरान विषय विशेषज्ञ द्वारा न्यूनतम तीन प्रदर्शनों की व्यवस्था की जानी चाहिए।

(डी) विभाग को वर्ष में एक बार अजंता, एलोरा, एलीफेंटा, खजुराहो, महाबलीपुरम आदि जैसे प्राचीन कला केंद्रों के शैक्षिक दौरे की भी व्यवस्था करनी चाहिए।

(ई) प्रायोगिक परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी और प्रायोगिक कार्य की जांच बाहरी परीक्षक द्वारा की जाएगी। परीक्षक आंतरिक परीक्षक, जो ड्राइंग एवं पेंटिंग विभाग का विषय शिक्षक है, के परामर्श से उत्तर पुस्तिकाओं की जांच करेगा। विश्वविद्यालय आर्थिक रूप से परीक्षा आयोजित करने के लिए कुछ अच्छी तरह से सुसज्जित विभागों में व्यावहारिक परीक्षाओं को केंद्रीकृत कर सकता है।